



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 137]

मई विलासी, मंगलवार, जुलाई 9, 1991/आषाढ़ 18, 1913

No. 137]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 9, 1991/ASADHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ मंस्त्रों की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

बाणिज्य मंत्रालय
(प्रायात व्यापार नियंत्रण)

बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 175-प्राईटी सी
(पी एन) /90—93, दिनांक 9 जुलाई, 91 का परिशिष्ट।

सार्वजनिक सूचना सं. 175-प्राईटी सी(पी एन) /90—93

नई विलासी, दिनांक 9 जुलाई, 1991

विषय :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि डाइरिक्टरिट 0.171 विलियन के ऋण सं. प्राईटी पी-70, दिनांक 27-3-90 के नहरत कोलाघाट थर्मल पावर स्टेशन पलाई ऐण यूटिलाइजेशन प्रोजेक्ट (हंजीनियरिंग सर्विसेज) के क्रियान्वयन के लिये उपकरणों तथा सेवाओं के प्रायात के मध्यम में लाइसेंसिंग घर्ते।

फाइल मं. प्राईटी सी/23 (76)/90—93 :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि डाइरिक्टरिट 0.171 विलियन के ऋण सं. प्राईटी पी-70 दिनांक 27-3-90 के अन्तर्गत कोलाघाट थर्मल पावर स्टेशन पलाई ऐण यूटिलाइजेशन प्रोजेक्ट (हंजीनियरिंग सर्विसेज) के क्रियान्वयन के लिये उपकरणों तथा सेवाओं के प्रायात को आमिन करने वाली घर्ते, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिये ग्रहित्वित की जाती है।

ही.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक प्रायात-नियंत्रण

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ) द्वारा विस्तारित 0.171 विलियन के ऋण सं. प्राईटी पी-70 दिनांक 27-3-1990 के अन्तर्गत कोलाघाट थर्मल पावर स्टेशन पलाई ऐण यूटिलाइजेशन प्रोजेक्ट (हंजीनियरिंग सर्विसेज) के क्रियान्वयन के लिये उपकरण और सेवाओं के प्रायात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग घर्ते।

खण्ड-1 सामान्य घर्ते

(1) कोलाघाट थर्मल पावर स्टेशन पलाई ऐण प्रोजेक्ट (हंजीनियरिंग सर्विसेज) की प्रायात आवश्यकता तथा कार्यान्वयन के वित्तावान के लिये जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ) द्वारा प्रदान किये गये 0.171 विलियन येत का ऋण जापान और विकासशील देशों नियंत्रण में भाग और (ओई सी एफ) के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिये सूचना है। सत्रनुभार, इस क्रेडिट के अधीन ग्रहित्वित की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से प्रायात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पावर स्रोत देणे वाले हैं।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं भवयों और उसी मूल्य के लिये लाइसेंस जारी किये जा सकते हैं जिनके लिये महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूर्जीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किये गये आयात लाइसेंस का मूल्य 0.188 मिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) से प्रधिक नहीं होना चाहिये।

आयात लाइसेंस का रूपये में मूल्य राजस्थ विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा प्रधिसूचित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रतिलिपि दर और मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई दी सी(पी एन)/74, वित्तक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सकेतिक दर पर निर्धारित किया जायेगा, जिसमें यह उल्लेख होगा कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी भुदा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सो) में विनिर्दिष्ट भुदा विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक एरीयक “जापानी येन ऋण सं. आई ईषी-70” होगा। प्रथम और द्वितीय प्रश्यय के लिये लाइसेंस में “एस/जे सी” होगा। यह कोई परिवर्तन बंगाल विद्युत विकास निगम लि. द्वारा लाइसेंस भेजते समय मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता के पत्र में भी दुहराया जायेगा। जिसकी एक प्रति वित्त संदालय, प्राथिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पूछोकित की जानी चाहिये।

1(3) परिवर्तन व्यांगत विश्वात विकास निगम लि. के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत बीमा-भाड़ा के आधार पर ही जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से प्रधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किये जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 1.188 मिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से प्रधिक नहीं होना चाहिये जैसा कि ऊपर पैरा(2) में कहा गया है।

1(5) आयातक द्वारा आवेदन करने पर आयात लाइसेंस की पैदता को 2 महीने की और प्रवधि के लिये बढ़ाया जा सकता है। आयात लाइसेंस की अवधि आगे और छानने/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिये यदि कोई आवेदन हो तो उसे प्राथिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिये।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तवान किये जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् संरक्षित संलग्न भाल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी भुदा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयात लाइसेंस के मद्दे नहीं दी जायेगी। भारतीय अभिकर्ता का कमीशन के रूप में कोई भी सुगतान भारत में भारतीय प्रभिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिये। लेकिन ऐसे सुगतान लाइसेंस मूल्य के ही मान होने और लाइसेंस पर ही प्रभारित किये जायेन।

1(8) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित वेशों में स्थित विदेशी संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत-बीमा-भाड़ा लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर विये जाने चाहिये और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की प्रवधि के भीतर आयिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिये। बीमा प्रभार का सुगतान भारतीय रूपये में भारत में देय होगा। “पक्के आदेश” का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये उन आदेशों से ही जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्य संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं को दिये गये आदेश और/या भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आवेदण स्वीकार्य नहीं हैं।

1(9) चार महीनों की प्रवधि के भीतर ठेकों को हम शर्त का तत्त्व तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जायेगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावें आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने

के भीतर वित्त मंदालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर विवर कारणों से नहीं दिये जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश व्यापों नहीं दिये जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिये। प्राविष्ट वेने की प्रवधि में वृद्धि के लिये ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पाक्षना के आधार पर विचार किया जायेगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और प्रवधि के लिये वृद्धि प्रवान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिये मात्री जानी है तो ऐसे प्रस्ताव निर्पक्ष रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंदालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली की ओर जायेंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिये प्रत्येक पाक्षने की पाक्षना के आधार पर विचार करते और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसका वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पक्के प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किये गये संभरण ठेकों को पूर्ण करने के संबंध में साक्षपत्र स्थापित करने के लिये प्राधिकार पक्के और तुल्य रूपया जमा करने आवं की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस भी समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिये। माल के पौतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अप्यत् पौतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिये। विदेशी संभरक से भाग्नीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। माल के वितरण की प्रवधि के लिये ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

“साक्षपत्र की प्राप्ति के बाद—————महीने परत्तु प्रधिक से अधिक—————के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।”

पौतलदान के लिये आविरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि वह तिथि 31-12-1992 के बाद की नहीं।

खण्ड-2: संभरण ठेके का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) प्रधिव्यक्त होना चाहिये और इसमें भारतीय रूपये में भुकाये जाने वाले भारतीय अभिकर्ता के कमीशन को यदि कोई हो, शामिल नहीं करना चाहिये।

संविदा का मूल्य किसी भी हालत में भारतीय रूपये या किसी अन्य कर्मी में अधिव्यक्त नहीं होना चाहिये। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आवेदण के बाल अभिकर्ताओं की अनुमति नहीं दी जायेगी।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किये जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति भागीदारी सिफारिशों के प्रतुमार निम्नलिखित अनुपूरक शर्तों पर दी जायेगी:—

(क) क्रम से क्रम 500 मिलियन येन के प्रतुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्व अहर्ता सहित घोषकारिक खुली अन्वर्टीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियावित अपनाने का प्रताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के प्रतुमार नियोगदान के लिये यो, ई, सी, एफ, की आवेदन पक्के उससे पूर्व प्रतुमार नियोगदान प्राप्त किया जायेगा।

(2) सफल धोलीकार की निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बाली मूल्यांकन रिपोर्ट महित निर्णय के अनुमोदन के लिये प्रावेदन पत्र और ईसीएफ को प्रस्तुत किया जायेगा। निर्णय और धोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिये उपर्युक्त प्रावेदन पत्र के साथ-साथ अहंता-पूर्व मूल्यांकन रिपोर्ट, बालीकारों के लिये सूचनाएँ तथा अनुरेख धोली प्रवक्ता, प्रस्तावित मंत्रिमणि विभाग तथा आरेख और धोली से संबंधित अन्य दस्तावेज भी और ईसीएफ को पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।

(अ) 500 मिलियन यैन से कम अनुमानित मूल्य के माल और और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में सविदा के निर्णय के लिये और ईसीएफ के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता इस शर्त पर नहीं है कि निविदा लाट लक्षण ढंग से विभाजित है। तथापि, यदि और ईसीएफ अनुरोध करें तो उमेर निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आवि पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत की जायेगी।

(ग) आयातक और ईसीएफ के समक्ष प्रस्तुत करने के लिये उपर्युक्त (क) (1), (क) (2), और (घ) में उल्लिखित प्रावेदन पत्र/दस्तावेज अधिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

(3) विवेणी संभरक की भुगतान, उनके नाम में भारतीय देक, टोकियो द्वारा 1989-90 के लिये और ईसीएफ यैन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं, प्राई डी पी-70 के अधीन द्वारा गये अपरिवर्तीय मालापत्र के माध्यम से किया जाना चाहिये जिमका ध्योरा नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र धोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये और पात्र धोत देशों के राष्ट्रिक द्वारा शासित वैध अधिकार होंगे।

2(5) अपात्र स्रोत देशों के अनुसेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका विचारन किया जा सकता है यद्यपि कि निम्नलिखित सूचक के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग के 50 प्रतिशत से कम हो :—

$$\text{आयातित लागत वीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100 \\ \text{संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य}$$

(भारतीय संभरकों के संबंध में एक सैक्षणिक मूल्य अपनाया जायेगा)

2(6) सविदा में घोषणा

प्रत्येक सविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जायेगी :—

“मैं घोषोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल— (संभित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं घोषोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुतार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूचक के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :—

$$\text{आयातित लागत वीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100$$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहां एक सैक्षणिक मूल्य लागू हो)

मैं, घोषोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) प्राप्त (पात्र स्रोत देश का नाम) में पंजीकृत समाविष्ट हो चुकी है और (संभित पात्र स्रोत देश का नाम) के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड-3 संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली गतें

(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप में समाविष्ट होने चाहिये :—

(क) छोक भी व्यवस्था भारत परकार और जापान की विवेणी अधिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) के बीच कोलाइट अर्मेन पावर स्टेशन “पाई एंड ट्रॉटनाइट्रेट प्रोजेक्ट” (इंडिनियरों सर्विसेज) के लिये येन क्रेडिट सं, प्राई डी पी-70 (परियोजना सहायता) के अन्तर्गत 27 मार्च, 1990 को दुए रुप्त्र संस्कृते के अनुसार होनी चाहिये।

(घ) संभरकों की भुगतान, भारत परकार और जापानी विवेणी अधिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) के बीच येन क्रेडिट सं, प्राई डी पी-70 से संबंधित 27 मार्च, 1990 को दुए रुप्त्र मालाहोत्रे के अन्तर्गत यैन धारक ईडियर टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अर्थरिवर्टनीय साक्षपत्र के माध्यम से किये जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होना जो एक और भारत परकार द्वारा और दूसरों और और ईसीएफ द्वारा यैन रुप्त्र के अधीन अनेकित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(इ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक सविदा में एक धारा होनी चाहिये कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के पश्चामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिये सहमत हो और इस उद्देश्य के लिये यह भारतीय दूतावास टोकियो की, शामिल मान की सुपुद्धी के कार्यक्रम से अवश्यन करायेगा और पोतलदान से कम से कम 6 मात्ताहू पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इन्हें है, सूचना की इस अवधि की कम किया जा सकता है। जापानी संभरक की प्रत्येक पोतलदान के पश्चात आवश्यक अपौरे देने दुए तार से सूचना भेजने के लिये महमन होना चाहिये किंतु उसको एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो की भेजी जानी चाहिये।

खण्ड-4 और ईसीएफ ठेके की पुनरीक्षण

(1) लाइसेंसधारी को पक्के प्रादेश देने के लिये निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विवेणी संभरकों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की 4 प्रतियों जो विवेणी संभरकों द्वारा विधिवत् में पुष्टि प्रादेश के साथ हो या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत और वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और अनुबंध-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन” की दो प्रतियां अधिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिये।

(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषय वस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप से प्राशोधन करने पड़े।

(3) वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस और ईसीएफ की समीक्षा के लिये भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आधिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कापी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन” की एक प्रति के साथ सी.ए.ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विवेणी संभरकों को भुगतान-साथ पत्र क्रियाविधि

(1) वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस, और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता देखा जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया को दोहिंरा पत्र संग ग्रन्ति वित्त संस्थान अनुबन्ध-3 में लिये गये प्रत्यक्ष में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें वैक आफ इंडिया को टॉकियो बैंक सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिये) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रपत्र में एक प्रतिवर्तनीय भावपत्र घोषित होगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियों और ही सी एक आरतीय हूनावास, टॉकियो भारत में आयातक के बैंक, प्राथिक कार्य विभाग (जापान अनुसार) वित्त मंत्रालय को प्रार्थित की जायेगी।

5(2) उप्राधिकार पत्र मिलने पर आरतीय बैंक, टॉकियो अनुबन्ध-4 आयातों के लिये लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये लागू होता है) के प्रत्युत्तर संभवित विदेशी संभरकों के नाम में प्रतिवर्तनीय सामग्री की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रतिविदेशी प्राथिक सहयोग निधि (ओई सी एक) आरतीय हूनावास, टॉकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायवा नेत्रा एवं नेत्रा परीक्षा नियंत्रक को भी घोषेगा।

सी.ए.ए.ए.ए. में प्राधिकार पत्र के आधार पर सामग्री खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्वया के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/सामग्री के गंणाधन पर स्वतः लागू होती हैं।

5(3) माल का पोतलावन करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से सामग्री में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिये वैक आफ इंडिया टॉकियो को प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज दुरुस्त होने पर वैक आफ इंडिया, टॉकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से जारी करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी प्राथिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

ओई सी एक टेक के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के दरबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओई सी एक द्वारा स्वयं अनुनिधियों में से चुनाई जायेगी। ओई सी एक या सहयोग नेत्रा नियंत्रक वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक की वचनबद्धता गत के खंडों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा कर्ती होगी। ओई सी एक को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) का व्याज भी आयातक को प्रतिपूर्ति दर पर चुकाना होगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के तहत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च चुकाया जायेगा।

5(4) सामग्री खोलने, उसके अधीन सेन देने करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार, यदि कोई हो, के लिये बैंक आफ इंडिया टॉकियो को बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जायेंगे।

आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओई सी एक द्वारा विदेशी संभरक को भवायगी की तिथि तक की अवधि के लिये गणना करके बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को देय व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभारित किये जिन सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में सम्बद्ध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टॉकियो को धनराशि करके भुगतान किया जायेगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

आरतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिये अर्ण की रकम की प्रतिपूर्ति के लिये क्रियाविधि अर्ण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खंड-6 रुपया निषेप करने के लिए उत्तरवाचित्र

6(1) बैंक आफ इंडिया, टॉकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राविकृत बैंक का पराक्राम्य पोत

परिवहन दस्तावेज घेजेगा तथा बैंकर सुनिश्चित करेगा कि रुपया अविवाय रूप से पोत दस्तावेज रिपोज हांने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, मर्ट विल्सी या भारतीय स्टेट बैंक रिपोज हांनी में जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए ये भुगतान के समतुल्य रुपये पर व्याज प्रभार की दर प्रत्यक्ष 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत है और अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत है पर विदेशी संभरक को वैक आफ इंडिया, टॉकियो द्वारा भुगतान की निधि से वास्तविक रुप से रुपया जमा करने की तिथि तक का दिवाव लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन) / 83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के माध्यम से व्याज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा करना है। यह भी नोट किया जाए कि व्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टीसी (पी एन) / 76 दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन) / 83 दिनांक 10-8-83 द्वारा मशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन) / 74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए प्रायातक का अलग से व्यवस्था करती चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टॉकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोल-परिवहन प्राधिक दस्तावेजों की देनी या विनम्र से प्राप्ति की, या निशेप पर लगने वाले व्याज की प्राथिक या पूर्ण धनराशि को पूर्ण करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए ये भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन) / 88-91 दिनोंक 6-4-89 में निश्चिरित तरीके के अनुभार निश्चित की गई है अथवा जो मुख्य नियंत्रक प्रायात-नियात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या आरतीय रिजर्व बैंक के मूल विनियम नियन्त्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा ममत्य-ममत्य पर घोषित की गई है।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातक को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक को तब भी जिम्मेदार होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमान्तरक प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता। यदि माल की सुपुर्दी लेने से पूर्ण आयातक सरकार की देय धनराशि जमा करने में असफल रहता है, तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियन्त्रक, प्रायात-नियात की दी जाएगी और आयातक को आगे और आयातक लाइसेंस जारी न किए जाए। जिस लेवा गीर्ष में उपर्युक्त रुपया निशेप किया जाएगा वह “के रिपाजिट्स एण्ड प्रेस्ट्रेचिल्ज” - 843-मिलिं डिपाजिट्स-डिपाजिट्स-डिपाजिट्स फार रेजिज एंड-ड्रा प्रायात-परेज अण्ड, ड्रेडिस/लोन एंड्रीमेंट्स” स्लोन कोम दि ग्रेन्ड-मेंट आफ जापान 2000 विलियम वेन केडिट सं. 31-आई टी पी-30 फार दी कोलाथाट धर्मस वेन स्टेनन पलाई ऐश यूटिलाइजेन प्रोजेक्ट (ईनीनियरी सर्विसेज) होना चाहिए।

6(2) जालान के दाए कोमे में कोड सं. 5130000009 वश्ति हुए उपर्युक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई विल्सी में या स्टेट बैंक आफ इंडिया दीस हजारी, विल्सी में सरकार के क्रेडिट में नकद जमा होनी चाहिए जैसा कि सार्वजनिक सूचनाओं मं. 184-आई टी सी (पी एन) 68 दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आई टी सी (पी एन) / 68 दिनांक 24-10-1968 सं. 132-आई टी सी (पी एन) / 71 दिनांक 5-10-1971,

सं. 74-प्राई टी सी (पीएन) 74, दिनांक 31-5-1974 और सं. 103-प्राई टी सी (पीएन) 76, दिनांक 12-10-1976 में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के अंदर संबंध भारतीय बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित अधीने से वह अनियन्त्रित धनराशि सेवा शर्तों के निम्न भेजेग जो वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मार्गी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय भारतीयों/उनके बैंकरों को इस बात को सुनिश्चित कर भेजा जाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना आलान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो के पूर्ण व्यापर)" में निरपाद रूप से निर्दिष्ट की गई है। खजाना चालान में निम्नलिखित व्यापर निरपाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र (ए. पी.) की संख्या और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा और वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निम्नेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

स्वपश्वात् सी.ए.ए.एंड.ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान प्राधिकार पत्र का संवर्भ देते हुए और बीजक तथा पांचपरिवहन वस्तावेजों की प्रतियों का संलग्न करते हुए खजाना चालान रखया जाना करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.एंड.ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातिक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निम्नेप बैंक आफ इंडिया ट्रोकियो से धनायरी की सूचना और विनियम पोतलदान वस्तावेजों की प्राप्ति 10 दिनों के अन्दर निरपाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एंड.ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली का सुचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबंध बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निम्नेपों की धराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और इनप्रियत "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खंड-7 विविध प्रावधान

7(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए, प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातिक को पोतलदानों सीर उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलदानों होना चाही है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी.ए.एंड.ए आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जनपद भवन, जनपद, नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

7(2) विशेष शर्त के बारे में संभरकों को अधिसूचित करना

आयातिक यों चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अंतर्गत माल में संवर्धित किसी ऐसी विशेष शर्त में संभरक को भुगतान कराएं जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभावी डालती हो।

7(3) विवाद

यह समझौता जाहिए कि आयातिक और संभरकों के बीच में यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया, ट्रोकियो द्वारा भुगतानों में पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली जर्न माफ-न-माफ "भुगतानों के नियमों" अनुबंध-2 में आतक द्वारा दर्शायी जाती चाहिए। विशेषों से निपटने की शर्त ठेके की शर्त में शामिल होनी चाहिए।

7(4) भारती अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों, नियमों या ग्राहितों का तथा जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (श्री ई.सी.

एफ.) के तात्पर्य में ऐडिट समझौता परिवेजता सहयोग सं. आई ई.पी.-70 के अंतर्गत सभी वायित्वों का आमत को तुरंत पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण और उत्तरव्यवहार

उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्तरव्यवहार करने पर आयात-नियति (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सुची

1. अनुबंध-1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबंध-4 साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
5. अनुबंध-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

पात्र स्रोत देशों की सूची

उपाबन्ध-1

क. विकासशील देश और भेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से धिन विकासशील देश

1. अफ़्रीका, उत्तरी सहारा मिश्र दोरको तुनीशिया

2. अफ़्रीका, दक्षिणी सहारा अंगोला, बेनिन शीतस्वाना बर्बेडी केमरोन कैप बहे द्वाप मध्य अफ़्रीका गणतंत्र चाड़

3. बोनारो आइलैण्ड कांगो, वाहाने का गणतंत्र इम्बेटोरिज गिनी (।) इथोपिया जांडिया घाना गिनी आइबरी कोस्ट केन्या लेसोथो

4. लाइबेरीया मालागासी गणतंत्र मालावी माली

5. मारिटिनिया, मारिशस मौजाविक

(1) करनाडो पौ-न्यो द्वाप सहित स्पेन गिनी द्वारा प्रदेश।

मेट हेलमा और हेप (2)	वेस्टइंडीज (शाहा) एन. प्रथम्
साम्राज्यों द्वारा अधिकार विस्तृत	(क) सह-संबंध राज्य (1)
सेनेगल	(ख) आश्रित (2)
सेचिनीज	4. दक्षिणी अमेरिका
भीमरे लियोन	अजन्दीना
सोमालिया	बोलिबिशा
सूडान	ब्राजील
स्वाझीसैफ़	चिली
टोरो, अक्स और इलास	कोलम्बिया
टोगो	फाल्क लैण्ड वीप म सूह
यूगांडा	फाँड़िगिनी
तज़ानिया गणतंत्र संघ	गुयाना
अपर बोल्टा	पराग्वे
जाइ गणतंत्र	पीर
जाविया	सूरिनाम
3. अमरीका उत्तरी ओर केन्द्रीय	5. मध्य पूर्वी एशिया
बहामारा	बहरीन
बर्मूडा	इजराइल
बारबॉस	जोड़ेन
बेली	लेबनान
कोस्टारिका	ओमान
मूद्दा	सिरियाई भरव गणतंत्र
डामिक्कन गणतंत्र	यूनाइटेड भरव अर्मिरात (3)
एल सल्वाडोर	यमन भरव गणतंत्र
गुआलपे	यमन जनवादी गणतंत्र (4)
गवाटेमाला	6. दक्षिण एशिया
हैटी	अफगानिस्तान
होहू रस	बांगलादेश
जमैका	भूटान
भारएटनिको	बर्मा
नाईजर	भारत
पुर्तगाली गिनी	मालदीप
रिखुमियन	नेपाल
रोहेशिया	पाकिस्तान
रवान्डा	श्रीलंका
मैक्सिको	7. सुदूर पूर्वी एशिया
नीलदरैण ऐन्टीलीज	बांगली
निकारागुआ	हांग-कांग
पलामा	समर गणतंत्र
सेट पियरी और बिक्कुलोन	
ट्रिनिडाड और टोबागो	
(2) निम्नलिखित द्विधीय सहित :- एस्ट्रेंगियन ट्रिस्टेनडा इन्डियन्स-सिवल्स, नाईटिनेगेल, गफ ।	(1) मूल्य द्वीप एप्टिक, डोमिनिका, घेनेडा, मैट किट्स (मैट किट्टोको) नोविस-ब्रांगुएला, सेट लुसिया और सेट विसेट ।
(3) मुझ, द्वीप समूह अस्था, बोनाइरे, अयूराकाओ, साहा ईण्ड ।	(2) भेन आईनैड, मोन्टेसरत, संगि तुके और काइकोस और ट्रिटिय द्वीप समूह ।
3. अमेरिका उत्तरी और मध्य	(3) अजमन, बुर्बा, फूजीयाह, यस अस्थेनाह, गरजाह और अम्मल क्वाइवान ।
	(4) अवन और विस्मित सत्तत और अमोरत सहित ।

(1) मूल्य द्वीप एप्टिक, डोमिनिका, घेनेडा, मैट किट्स (मैट किट्टोको) नोविस-ब्रांगुएला, सेट लुसिया और सेट विसेट ।

(2) भेन आईनैड, मोन्टेसरत, संगि तुके और काइकोस और ट्रिटिय द्वीप समूह ।

(3) अजमन, बुर्बा, फूजीयाह, यस अस्थेनाह, गरजाह और अम्मल क्वाइवान ।

(4) अवन और विस्मित सत्तत और अमोरत सहित ।

कोटिया गणनांक	दराक
लोअरोग	कुडेन
मकाम्पी	कतार
मलेशिया	साउथी अरब
पिलीहाहन	आबू-धाबी
फिगापुर	इरानोनेशिया
नाइबान	
थाईलैण्ड	ओ ही सी और के देश
निमीर	मास्ट्रेलिया
वियतनाम	बेलिजियम
वियतनाम जनवादी गणनांक	कालोडा
8. अमोसिनिया	ऐनमार्क
कुक द्वीप समूह	फिनलैण्ड
फिजी	फ्रांस
गिल्बर्ट घौर इताइत द्वीप	जर्मनी संघीय गणराज्य
फ्रांसिस पोलिनेशिया (5)	ग्रीस
नाइ	प्राइसलैण्ड
न्यू केलेझोनिया	इटली
न्यू हैमिल (क्र. और प्र.)	जापान
नियु	लक्ष्मणबांग
पैसीफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)	नीवरलैण्डम्
पापुवा न्यू गिनी	न्यूजीलैण्ड
सोलोमन द्वीप समूह (आ.)	नार्वे
टोना	पुर्णाल
बालिस और कुतूना	स्वेन
पश्चिमी सामोआ	स्वीडन
9. यूरोप	स्विटजरलैण्ड
माइप्रस	टर्की
जिब्राल्टर	यू. के.
ग्रीस	यू.एस.ए.
माल्टा	
स्वेन	
तुर्की	
यूगोस्लाविया	
(क-2) ओ ही सी के सहयोगी देशों के सदस्य	उपाधान-2
अर्लजीरिया	प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
बोलिविया	प्रावेन पत्र
लीबियाई अरब गणनांक	विनाक
गेबोन	संघीया
नाइजीरिया	सेवा में
इथबेड्र	
बेजुएला	
इरान	
(5) सोसाइटी आई लैण्ड्स भूमूह (ताहिती सङ्गठन) को	
शामिल करते हुए प्रास्ट्रेश द्वीप समूह, टुम्हामोटू-गणित्यर मुप	
और मार्क्यूस से द्वीप समूह।	
(6) पैसिफिक द्वीप का ट्रास्ट प्रदेश कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप	
समूह और मैरिन द्वीपस समूह (गामा को छोड़कर)।	

विषय:— येन केडिट सं. या आई और पी के लिए (परियोजना भवायता) के अस्तर्गत

____ को _____ का आयात
महोदय,
उपर उल्लिखित येन केडिट सं. आई. और पी _____
(परियोजना भवायता) के अंत्रोत _____

आयात के संबंध में —————— (बैंक का नाम) —————— कि कही होना चाहिए, जो नीचे (त) में सम्बद्ध विदेशी संभरक और नाम साथ पत्र खोलने के लिए विया गया है के पश्च व्यापकार पत्र जारी करने के लिए इस आपको निम्नलिखित व्यौरे प्रस्तुत करते हैं।

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह सारीज जिस तक वैष्ट है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके —————— क्या वह सीधे कम पर आधारित है या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है या इस मामले में कारणों सहित यह निविड़ करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्राप्तव्यान के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (इ) माल का उद्देश्य देश।
- (ज) यदि कोई हो, तो पाल से इतर खोल देशों से आयातित टेकों का प्रतिशत।
- (झ) संविदा का कुल जहाज पर्याप्त निःशुल्क/लागत और भाड़ मूल्य (येन में) में।
- (ञ) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की घनराणि (येन में)।
- (ञ) वास्तविक जहाज पर्याप्त निःशुल्क / लागत और भाड़ मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राप्तिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विवेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।
- (ठ) मे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियाँ जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ઇ) सुरुईयी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ઇ) बैंक भाक इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान विज्ञात हुए)।
- (ળ) पौतलदान अनुदेश, वाहनाल्लरण पार्ट / शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (Ṅ) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (ঠ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएँ) कर दी गई है और जापानी प्राप्तिकारियों को अधिसूचित कर विया गया है यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत और, ई. सी. एफ को अधिसूचित किया गया है।
- (ঢ) क्या साथपत्र के संचालन और रखरखाव के लिए बैंक भाक इंडिया टोकियो को देय बैंक खर्च आयातक द्वारा या संभरकों द्वारा दहन किए जाने हैं।
- (ঘ) आयातक द्वारा बचतबन्धनता :—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरकों को दिए गए भुगतान के नमतुल्य रूपये को पूर और सही जमा करने का बचत देते हैं। प्रत्येक निम्नेप माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दी लेने से पूर्व तस्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा प्रत्येक द्वारा ही और उनकी अदायगी करते

ही विदेशी गण्डीयना की मेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निदेश कर दिया जाएगा। और मंभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

उपायन्त्र-3

(प्राप्तिकारी पत्र का प्रपत्र)

स.

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई विली, दिनांक

सेवा में

बैंक भाक इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)।

विषय :-मेरे लेटिट (परियोजना सहायता) अट्टण करार सं. आई ई सी पी —————— के अधीन आयात।

साथपत्र खोलने के लिए प्राप्तिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक 25-3-80 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्यौरे के अनुसार संबंधी —————— के नाम में —————— येन घनराणि के लिए अपरिवर्तमान आयातपत्र खोलने के लिए प्राप्तिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साथपत्र की प्रति आयातक के बैंक, यो ई सी एक भारतीय बूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साथपत्र की शर्तों के अनुसार आरम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप यो ई सी एक को आवश्यक दस्तावेज भेज कर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तकाल करें।

4. विदेशी संभरकों को अदायगी करते समय आपके द्वारा —————— (—————) आयातक के बैंक के नाम व पता के मूल पौतलदान दस्तावेज (विनियम), अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरकों को की गई अदायगी के नाम डालने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई हो तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरकों को आपके द्वारा किए गए भुगतान की सिधि से और यो ई सी एक द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच से समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभार छाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्चों जिसमें साथपत्र खोलने, रखरखाव करते और साथपत्रों के संचालन और सीधा मंवंधी दस्तावेजों के संचालन में संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंक वे खर्चें भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा यो ई सी एफ से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्णयित पद में इस मंत्रालय को भेजे वी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विवेशी संभरकों के नाम में साखपत्र छोलने के लिए है। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले सूचनाओं या प्राधिकार पत्र के मध्य भविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए जिनका वैध नहीं होगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. इसका इस कारण से मंत्रालय मध्ये पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर वो गई संख्या का उल्लेख करें।

भविष्य,

(नेश्वा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित-

1. आयातक को उन्हें पत्र प. दिनांक के के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वैकारों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तारीख में अपने वैकारों के माध्यम से रूपया निकेप आकिर जमा करने का प्रबन्ध करें। यदि विषेष परिस्थितियों के कारण निकेप को डिलीवरी मोदी ही सीमाशुल्क और पतलन प्रधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे जिनका शीर्ष प्राप्त कर वो गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निकेप किए जाने चाहिए। विवेशी राष्ट्रीयों वाला दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के सामने में जीमें ही सम्बद्ध भीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निकेप कर दिए जाएं। निकेप जल्दी ही और टीक से न करने पर लाईमेंस की जगह में यथाउल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के वैकारक—। यह आयात लाइसेंस में दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन केंटिके अन्तर्गत आयातों को आमिल वारने वाली मंत्रालय में शर्तों के तहत जारी किया जाता है। लाइसेंस जर्नल और मंत्रालय मार्कजिनक सूचनाओं/प्रादेशों को देखे और आयात/विदेशी भुगतान करने समय दर्शन करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि वैक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विवेशी संभरक को येन भुगतान के बारे रूपये जमा करने की अवश्यकता हो। संभरकों को छाकाई गई घनगणि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना में 113--आईटीसी (पोएन) 38-91 दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी हो सावधानिक सूचना जो समय समय पर जातों की जाए के अनुसार विवेशी संभरकों को भुगतान करने की नियम को यथा प्रचलित परिवर्तन को निवित दर पर की जाएगी। संभरक को भुगतान की नियम वैक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति दी जाएँ और जिन तारीखों को समसुल्य रूपया सरकारी खाते में जमा किया जाता है के बीच की अवधि का हिसाब लगाकर प्रथम तोम दिन के लिए व्याज 12% प्रति वर्ष है और इससे अधिक अवधि के लिए 18% प्रति वर्ष है जिसे सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी (पोएन) 83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के खाते में जमा किया जाना भी आवश्यक है। व्याज दानों दिनों, अवधि, विवेशी संभरक को जिस दिन भुगता किया जाता है और जिस तारीख को भारतीय खाते में लाया जमा किया जाता है, के लिए देय (इस दर से जब भी कोई परिवर्तन हो इसकी सूचना दी जाएगी) यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकामा के लिए आयात दस्तावेजों का मध्य सेट दिए जाने से पूर्व यह अनुगणि जना का जाना है।

वे छनराधियों या तो सारसीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, नीम हजारी में चालान के दाहिनी और कोड सं. 5130000000 दण्डि हुए जमा करने चाहिए। इस मध्यम से उनका आयात मार्कजिनक सूचना सं. 184--आईटीसी (पोएन) 68, दिनांक

30-3-68 तथा 233--आईटीसी (पोएन) 68, दिनांक 24-10-1968, 133--आईटीसी (पोएन) 71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74--आईटीसी (पोएन) 74, दिनांक 31-5-1974 तथा सं. 103--आईटीसी (पोएन) 76, दिनांक 12-10-1976 से दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। इस लेखाखण्ड में रूपया जमा करना है “के डिपिट्ग एण्ड पॉर्ट्रांजिम--844-मिनिम डिपिट्म-डिपिट्स कार परवेजिम एटेंट्री अवरेंट अप्टिक पॉर्ट्रेन जैडिट लोन्स एरीमेंट्स” नाम के गवर्नरेट आफ जापा, पिनियन यैन कैडिट (परिवाजन महायता) अ. आई.डी.पी. कार 196-8 है।

जिन मामलों में लुप्त रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नीम हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132--आईटीसी (पोएन) 71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नाम जिस अवधि उन मामलों में चालान को सूख रूप में एक प्रतिनिधि द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजने चाहिए, जिसके साथ वैक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अप्रेयण पत्र होना चाहिए।

नहायता लेखा सदा लेखा पर्ना नियंत्रक,
वित मंत्रालय, (आयिक कार्य विभाग),
जेनरल अधिकारी, जापान, नई दिल्ली।

जिन मामलों में लुप्त रूपया पर संकेतिन मार्कजिनक सूचना 24-10-68 में यथा डिलिखिं दिल्ली हुए हो अप्टिक करना है उसकी सूचनाएं डिलिखिं पते पर भेज जानी चाहिए। वही मामले में जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा व्योंग इस विभाग के भेजता चाहिए।

संभरक दो भुगतान करने को फिय और ओईसी एक डारा वैक आफ इंडिया, टोकियो को उनको अदायगी वैक नियम के अधिक अवधि के लिए वैक आफ इंडिया, टोकियो को वैय व्याज प्रमाण बैंक सूक्तों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव होने वैक आफ इंडिया, टोकियो के साथ प्राप्तके होता सौधे निर्णीत किए जाएंगे।

3. निवेशक, अप्ट विभाग--२ विदेशा सहयोग निधि टाकेवालों गोष्ठी विलिङ ५-१ अप्टेंटेसी--१ कोमे, चियोका क. टोकियो 100, जापान।

4. आग्रनीय दूलावास, टोकियो।

5. अवर निवेश, जापान अनुभाग, वित मंत्रालय, आयिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(नेश्वा अधिकारी)

उपावन्व--४

प्रपत्र ओ. ई. सो. एफ. एस. सी. -१

(अपरिवर्तनीय साखपत्र)

(माल के लिए लाग.)

दिनांक

मेवा में

यह साखपत्र (अप्ट) और विवेशी गहरायोग निधि के बीच हुए अप्ट करार सं. 184-आईटीसी (पोएन) 68, दिनांक 24-10-1968 में नारंग किया गया है।

महोदय,

हम आपको सुनित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे दोजक मूल्य के लिए आपके माहट ट्रास्टों होता उपलब्ध रकम या

एकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. -----
-----खोल दिया है जो ----- (अधिकारी येत) की कुल
छन्दोशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेजों होने
चाहिए:—

हस्ताक्षरित पूर्ण आणियक शीजक, पोत परिवहन निवाल
लदान बिल जिसमें दिए गए आवेदनों का पूरा सेट हो, और पृष्ठां
किस एवं चिन्हित “फेट एवं नोटिफाई” अंकित किए हुए अन्य
दस्तावेज।

जिसमें पीतलशान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए संबिदा सं. ----- (यदि कोई हो) के सन्दर्भ
में ----- से ----- तक आंशिक पीतलशान स्थीर है। बाहरीतरण स्वीकृत है। लदान बिल ----- के बाद की
तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट ----- सक्त लेन-
देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ग्राण के अन्तर्गत
सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. -----
दिनांक ----- के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात
सन्दर्भ सं. ----- संख्यांग, (यदि कोई हो) अंकित
होना चाहिए।

यह कोडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस कोडिट के अन्तर्गत और इसकी
शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने
पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्दी पर विधिवत् स्वीकार
किए जाएंगे।

अब एक अन्यथा रूप से अल्लेख न किया जाए, यह कोडिट “यूनि-
फर्म कस्टम एण्ड प्रैस्टिस फार डाक्युमेंटरी शेडिट्स (1974 रिव्यूजन)
इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290 ” के अधीन
है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश

1. उपर्युक्त ग्राण करार के अन्तर्गत विवेशी आधिक महायोग निधि
द्वारा आरी किए गए वचनबद्धता पत्र को अवस्थाओं के अनुसार विवेशी
आधिक महायोग निधि से अपनी भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के
बाद हम बचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले दैक द्वारा जारी
किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की घन्तारशि को लीटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक की यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और
दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य
भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज मीठे ही हवाई बाक द्वारा-----
को भेज दिए गए हैं।

3. इस कोडिट के अन्तर्गत सभा बैंक के खजे आयातक/संभरक
के खाते से देय हैं।

मवेशी,

()

याणियक बैंक
द्वारा-----
प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाधि- 5

प्रपत्र ओर ई सी पैक पाल भी-- 2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के निए नाम)
दिनांक

सेवा में

----- यह साखपत्र (करण और विदेशी आधिक
सहयोग निधि के बीच हुए
करण करार सं. -----

----- दिनांक
के अनुसार में जारी किया गया है।
(मंभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको धूमित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित
मूल्य के लिए हिनाधिकारी के ड्राफ्ट एट भाइट द्वारा उपलब्ध रकम
जिसकी कुल छन्दोशि ----- (वेन से अधिक नहीं है, के लिए
आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र में
खोल दिया है।

इसमें हमके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित
(परियोजना के संबंध में ठेका सं. -----) से संबंधित दस्तावेज
होने चाहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट ----- से पहले प्रस्तुत
किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय कोडिट मं.
के अन्तर्गत “इन” लिखा होना चाहिए।

यह कोडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस कोडिट के अन्तर्गत हमारी शर्तों
का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को
दस्तावेजों की सुपुर्दी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएं।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह कोडिट
“यूनिफर्म कस्टम एण्ड प्रैस्टिस फार डाक्युमेंटरी शेडिट्स (1974
रिव्यूजन) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स नं. 290 ” के
अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश

1. इसमें संगमन प्रपत्र के अनुसार (अधीनीत और इसके मनोनीत
प्रधिकारी) द्वारा जारी किये गए लिप्तावन के भूल विवरण की प्राप्ति
के पश्चात इस कोडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निम्नरित
भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के
मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हिनाधिकारी का विवरण
अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ग्राण समझौते के अधीन आरी किए गए वचन-
बद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विवेशी आधिक सहयोग निधि से भुगतान
के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा
आरी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की यांत्रिक परेक्षित करने का
बचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मर 1 में यां-रन ग्राहित दस्तावेजों की एक प्रति और
ड्राफ्ट उपबन्ध प्राप्ति के तुरत बाद ही हमें भेजें जाएंगे।

4. इस साखपत्र के प्रत्यर्पित बैंक के सभी खर्चों प्रायातकों/संधरकों के बातें में देय हैं।

भवदीय,
वाणिज्यिक बैंक
द्वारा -----
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान भ्रम्मसूची

यह भुगतान भ्रम्मसूची हमारे साखपत्र का एक प्रभिन्न अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि-----ये जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है अपेक्षित दस्तावेज़-----हिताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि-----ये जो कुल संविदा का मूल्य-----प्रतिशत है जिसका भुगतान निम्नप्रकार से किया जाता है :-

देय धनराशि प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि

पहली किस्त,-----

दूसरी किस्त,-----

अपेक्षित दस्तावेज़ : (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रथम संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

सम्पर्क

सेवा में

(मंभरक का नाम और पता)

मन्दर्भ:- ऋण करार में-----के प्रत्यर्पित परियोजना से संबंधित -----के नाम के-----ये जो के लिए-----द्वारा जारी किए गए साखपत्र की संख्यां-----दिनांक----- (ऋणी) का प्रतिनिधित्व करने हुए में अवैस्ताक्षरी, और -----के द्वीज संविदा सं-----दिनांक-----में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी प्रार्थक सहायता निधि द्वारा-----ये जो की धनराशि)-----ये जो साक्ष

प्राप्त करने के लिए -----को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता है।

(ऋणी)
द्वारा -----
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :— वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में वर्णिया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साखपत्र सं-----का एक प्रभिन्न अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि -----कुल संविदा मूल्य का -----प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने का अनियंत्रित तिथि :

2. मध्यवस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि -----कुल संविदा मूल्य का -----प्रतिशत है
अपेक्षित दस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने का अनियंत्रित तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि -----कुल संविदा मूल्य का -----प्रतिशत है।

टिप्पणी :— यह संलग्न शोट पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

Public Notice No. 175-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 9th July, 1991

SUBJECT: Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen Credit Loan No. ID-P. 70 dated 27-3-1990 of Yen 0.171 Billion for implementation of the Kolaghat Thermal Power Station Fly Ash Utilization Project (Engg. Services) Extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

File No. IPC/23(76)/90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen Credit Loan No. ID-P. 70 dated 27-3-1990 of Yen 0.171 Billion for implementation of the Kolaghat Thermal Power Station Fly Ash Utilization Project (Engg. Services) Extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the Appendix to this public notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
Public Notice No. 175 ITC(PN)/90-93, dated 9-7-1991

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.70 DATED 27-3-90 OF YEN 0.171 BILLION FOR IMPLEMENTATION OF THE KOLAGHAT THERMAL POWER STATION FLY ASH UTILIZATION PROJECT (ENGG. SERVICES) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

Section I—General Conditions.

I(i) The Yen Credit of Yen 0.171 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the KOLAGHAT THERMAL POWER STATION FLY ASH UTILIZATION PROJECT (ENGG. SERVICES) in favour of Japan and developing countries including India and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I(ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGID/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 0.188 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, is led by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licences. The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.70". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal Power Development Corporation Ltd. a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance Department of Economic Affairs (Japan Section).

I(iii) Import licence(s) can be issued only in favour of West Bengal Power Development Corporation Ltd.

I(iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 1.188 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of E.A. (Japan Section).

I(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licences duly attested by the licensing authorities.

I(vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the overseas supplier

duly signed by the letter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-1992.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian Rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian Rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Pre-qualification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for award of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed

- contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

- (c) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii) and (b) above will be submitted by the importer to Department of E.A. in duplicate, for submission to OECF.

II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No ID-P.70 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II(iv) Eligibility of Supplier.

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II(v) Permissible imports from non-eligible source countries. Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (SC) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae.

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100$$

Supplier's FOB Price

In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II(vi) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100$$

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), and is controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)."

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III(i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract:

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-P.70 (Project Aid) for Kolaghat Thermal Power Station Fly Ash Utilization Project (Engg. Services).
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.70 dated 27th March, 1990 between the Gov-

ernment of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).

- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II(vii) above.

- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of Contract by OECF.

IV(i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant and valid import licensee and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV(iii) The Ministry of Finance (Department of E.A.) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of conclusion of contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure-IV (for imports) or Annexure V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V(ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the Importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V(iii) The overseas supplier shall, after affecting shipment of goods present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo

will release the amount of specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance, Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) as prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charged if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/importer. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit:

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @13% per annum for the first 30 days and @18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76, and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers' Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly

deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan 2,000 Billion Yen Credit No. ID-P. 70 for the Kolaghat Thermal Power Station Fly Ash Utilization Project (Engg. Services).

VI(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184 ITC (PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI(iii) The concerned Bank of India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans —

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank of India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII—Miscellaneous provisions

VII(i) Reports on the utilization of the import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance Junpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

VII(ii) Notifying suppliers of Special Conditions

The licence should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII(iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any that may arise between the licence and the suppliers. The conditions

to be fulfilled by the Supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII(iv) Future Instructions

The licence shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) no IG-P-70 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII(v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII(vi) List of Annexures

Annexure-I—List of eligible source countries

Annexure-II—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III—Form of Letter of Authority.

Annexure-IV—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure-V—Form of Letter of Credit (Applicable to services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroun

Cape Verde Islands

Central Africa Rep

Chad

Comoro Islands

Congo. People's Republic of
Dahomay

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Ivory Coast	
Kenya	
Lesotho	
Liberia	
Malagasy Republic	
Malawi	
Mali	
Mauritania, Mauritius	
Mozambique	
Niger	
Portuguese Guinea	
Reunion	
Rhodesia	
Rwanda	
St. Helena and dep (2)	
Sao Tome and Principle	
Senegal	
Seychelles	
Sierra Leone	
Somalia	
Sudan	
Swaziland	
Terro, Afars and Issas	
Togo	
Uganda	
Un. Rep. of Tanzania	
Upper Volta	
Zaire Republic	
Zambia	
 III. AMERICA, North and Cont.	
Bahamas	
Barbados	
Belize	
Bermuda	
Costa Rica	
Cuba	
Dominican Republic	
El Salvador	
Guadeloupe	
Guatemala	
Haiti	
Honduras	
Jamaica	
Martinique	
Mexico	
Netherlands An Tilles	
Nicaragua	
Panama	
St. Pierre & Miquelon	
Trinidad and Tobago	

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao Soha, St.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Sr.) n.i.e.

- (a) Associated States (1)
- (b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina

Bolivia

Brazil

Chile

Colombia

Falkland Islands

French Guiana

Guyana

Paraguay

Peru

Surinam

Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain

Israel

Jordan

Lebanon

Oman

Syrian Arab Republic

United Arab Emirates (3)

Yemen Arab Republic

Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan

Bangladesh

Bhutan

Burma

India

Maldives

Nepal

Pakistan

Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei

Hong Kong

Khmer Republic

Korea, Republic of

Laos

Macao

Malaysia

Philippines

Singapore

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands :Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

3. Ajmen, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah, and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultantes and emirates.

Taiwan

Thailand

Timor

Viet-Nam, Rep. of

Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands

Fiji

Gilbert & Ellice Is.

French Polynesia (5)

Nauru

New Calendonia

New Hebrides (Br. and Fr.)

Niue

Pacific Islands (US) (6)

Papua New Guinea

Solomon Islands (Sr.)

Tonga

Wallis and Futuna

Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus

Gibraltar

Greece

Malta

Spain

Turkey

Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC :

Algeria

Bolivia

Libyan Arab Republic

Gabon

Nigeria

Ecuador

Venezuela

Iran

Iraq

Kuwait

Qatar

Saudi Arabia

Abu Dhabi

Indonesia.

B. OECD Countries :

Australia

Belgium

Canada

Denmark

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marline Islands (except Guam.)

Finland
France,
The Federal Republic of Germany

Greece
Iceland
Ireland
Italy
Jayan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
the United Kingdom and the United States.

- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier :
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/ or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. date :

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub : Import of _____ from _____ under
the _____ Yen Credit No. ID-P._____ (Project
Aid for 198-8).

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P._____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name of the Bank) which should be the same as given in (p) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India
MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan).

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid) Loan
Agreement No. ID-P._____ Issue of Letter of
Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs.

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80—entered into with Your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediate reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto_____

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2(i) Importers' Banker..... This has reference to import licence No. and dated. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalent are required to be deposited into the Government Account is also deposited into the Govt.

of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-3-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advances-844-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"-Loans from the Government of Japan 0.171 billion Yen Credit (Project Aid) No. JD-P 70 of 27-3-1990.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Code Building, 4-1, Otemachi 1 Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer

ANNEXURE-JV

Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

To _____

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. _____

Dated _____

between (Borrower) and the Overseas Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____

for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ Yen _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents.

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from to _____ Partial shipments are permitted. Transhipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____ dated _____ and Import Reference No. (s) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By : _____
(Authorised Signature)

ANNEXURE-V

Form OECF-LC II
Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

To,

(Name and address of the Supplier)

Date :

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____, dated _____, between (Borrower) and The Overseas Economic Cooperation Fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance, with the Payment Schedule stipulated in the payment(s) under this credit must be made in accordance with the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)

By _____
(Authorised Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Yen being % of the total contract price required documents : beneficiary Statement Latest Presentation date

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen
being % of the total contract price to be paid as follows

Amount due	Latest presentation
.....

1st Instalment : Yen

2nd Instalment :

Required document : A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated autho

Statement of Performance

PAYMENT TERMS

Date:
Ref. No.

This payment terms constitutes an integral part of our
Letter of Credit No.....

To
.....

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No.....
dated issued by.....for Y.n.....
in favour of.....concerning.....
Project under Loan Agreement No.....

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue
a Statement of Performance to entitleto receive
the sum of Yen(Yen only) from THE
OVERSEAS ECONOMICS CODPERATION FUND in
accordance with the Payment Terms stipulated in the Con-
tract No....., dated....., between
.....and.....

.....
(Borrower)

By :
(Authorised Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in
the sheet attached hereto.

I. Initial Payment

Amount : Yen.....

being.....% of the total contract price

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payments (if any)

Amount : Yen.....

being.....% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen.....

being.....% of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full
payment against shipping documents.